ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-३७
दिनांक- शुक्रवार, ०५ जून, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.३ एवं १८.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६८ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ४१ प्रतिशत, हवा की औसत गति १२.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.४ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.० एवं दोपहर में ३१.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ५६.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(०६-१० जून, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ०६-१० जून तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। ६ जून के सुबह तक उत्तर बिहार के अधिकतर स्थानों पर वर्षा की संभावना बनी रहेगी। उसके बाद पूर्वानुमानित अवधि में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३२ से ३५ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २२-२७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १०-१४ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से अगले दो दिनों तक पूरवा हवा तथा बीच में एक दिन पछिया हवा तथा उसके बाद फिर से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ६५ से ७० प्रतिशत तथा दोपहर में ३० से ४० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की सुविधा प्रयाप्त हो तथा लम्बी अवधि वाले धान लगाना चाहते है वे राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब-१ वी०पी०टी०-५२०४ एवं सत्यम आदि किस्में १० जुन तक बीजस्थली में गिराने का प्रयास करें। जितने क्षेत्र में धान का रोप करना हो उसके दशांश हिस्सों में बीज गिरायें। बीज को गिराने से पहले १.५ ग्राम बविस्टीन प्रति कि० ग्रा० बीज की दर से उपचारित करें।
- अल्प अवधि वाले धान की किस्म एवं सुगंधित धान का किस्म का विचड़ा बीजस्थली में २० जून से १० जुलाई तक बोने के लिए अनुशंसित है। सुगंधित किस्मों का विचड़ा बीजस्थली में पहले से गिराने से उसकी सुगंध खत्म हो जाती है।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ ६० से ८० किलोग्रम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, २.५ किलोग्रम यूरिया, १.५ किलोग्रम सिंगल सुपर फॉसफेट, १.३ किलोग्रम म्युरेट ऑफ पोटाश तथा ५० ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें।
- जो किसान भाई अब तक हल्दी एवं अदरक की बुआई नही किये हैं, वे अतिशीघ्र बुआई सम्पन्न करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में तथा अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। हल्दी के लिए बीज दर २० से २५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा अदरक के लिए १८ से २० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार ३०-३५ ग्राम जिसमें ३ से ५ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३० ग२० से०मी० रखे। बीज को उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- हरी खाद के लिए सनई और ढ़ैचा की बुआई करें। खरीफ प्याज की खेती कें लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में गोबर की खाद अवश्य डाले। खरीफ प्याज के लिए एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। प्याज के बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर ८-१० कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।
- खरीफ मक्का की बुआई करें। बुआई के लिए खेत की तैयारी कर इसकी बुआई करें। खेत की जुताई में १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। शक्तिमान-१, शक्तिमान- २, शक्तिमान- ३, शक्तिमान ४, शक्तिमान- ५, राजेन्द्र शंकर मक्का- ३ तथा सुवान, देवकी आदि किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं।
- पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वती खेती में करने से चारे की गुणवता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें।

आज का अधिकतम तापमानः २८.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ७.६ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १७.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ७.८ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी